अनुसंधान सलाहकार समिति की बैठक आयोजित

क्षेत्रीय फसलों के उत्पादन को बढ़ावा देने वाले रिसर्च प्रोजेक्ट्स पर हों फोकस - डॉ बलराज सिंह

» विद्यार्थियों को फार्मर इनोवेशन प्रोगाम से जोडें - डॉ अरुण कुमार » किसानों तक तकनीक हस्तांतरण की आधार है कृषि विश्वविद्यालय - डॉ संधू » रिसर्च प्रोजेक्ट्स के लिए प्रगतिशील किसानों से लिए गए सुझाव

बीकानेर, (निसं)। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय की अनुसंधान सलाहकार समिति की बैठक सोमवार को आयोजित हुई। विश्वविद्यालय के मानव विकास सभागार में आयोजित बैठक में अनुसंधान कार्यक्रमों के विभिन्न पक्षों पर वैज्ञानिकों और प्रगतिशील किसानों द्वारा विस्तार से चर्चा की गई। एसकेएन कृषि विश्वविद्यालय जोबनेर के कुलगुरु डॉ बलराज सिंह वोंडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए मुख्य अतिथि के रूप में बैठक में शामिल हुए। डॉ बलराज सिंह ने कहा कि मोठ और ग्वार बीकानेर क्षेत्र की फसल है, इन पर अनुसंधान की आवश्यकता है। श्रीगंगानगर तथा हनुमानगढ़ में देसी कपास को बढ़ावा दें । मूंगफली में प्रोटीन की मात्रा बढ़ाने, खेजड़ी में बाल फॉर्मेशन की समस्या से निजात के लिए उचित रसायन आदि के संबंध में अनुसंधान हों, मधुमक्खी पालन के लिए समर सीजन फसलों का उगाया जाना आवश्यक है ताकि मधुमक्खी पालकों को अन्यत्र ना जाना पड़े।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलगुरु डॉ अरुण कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय के रिसर्च प्रोजेक्ट्स से क्षेत्र के किसान लाभान्वित हुए हैं। पीजी विद्यार्थियों को और एक्सपोज़र मिले इसके लिए उन्हें फार्मर इनोवेशन प्रोगाम तथा अन्य विश्वविद्यालयों के रिसर्च प्रोजेक्ट्स में शामिल करें। अनुसंधान परिणामों की समेकित रिपोर्ट तैयार की जाए। साथ ही क्षेत्रीय किसानों के हित में संरक्षित खेती व जल पर कार्य करने वाले अनुसंधान प्रारम्भ किए जाएं। जोबनेर कृषि विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ जे एस संधू ने कहा कि किसानों तक तकनीक हस्तांतरण में कृषि विश्वविद्यालय बैकबोन के रूप में काम करते हैं। सीमित मानव संसाधन बड़ी चुनौती है लेकिन कृषि अनुसंधान में कार्यरत अन्य संस्थाओं के साथ समन्वय करते हुए रिसर्च प्रोजेक्ट्स में स्थानीय किसानों की समस्याओं को सीधे तौर पर एड्रेस किया जाए। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार तिलहन और दलहन उत्पादन के लिए विशेष कार्यक्रम चला रही है, विश्वविद्यालय इन क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दें। प्रसार शिक्षा के माध्यम से एंटरप्रेन्योरशिप और आईएबीएम के जरिए एग्रो बिजनेस इंडस्ट्री से युवा किसान और विद्यार्थियों को जोड़ें।

बैठक में प्रगतिशील किसान कुलजीत सिंह ने कहा कि किनू और गाजर के लिए एक्सीलेंस सेंटर बनाया जाए, साथ ही जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए नये सर्टिफिकेशन लैब स्थापित किये जाएं। छत्तरगढ़ के किसान मघाराम प्रजापत ने भी अपने विचार साझा किये। कृषि विभाग के अधिकारी जयदीप डोगने ने कहा कि खेजड़ी के फूलों में बटन बनने की समस्या गंभीर है, अनार की गुणवत्ता को लेकर भी क्षेत्र का किसान चिंतित है इस पर अनुसंधान कार्यक्रम संचालित किये जाए। इससे पहले रिसर्च अनुसंधान निदेशक डॉ विजय प्रकाश ने विश्वविद्यालय द्वारा संचालित किये जा रहे विभिन्न अनुसंधान कार्यों और गत वर्ष की एक्शन टेकन रिपोर्ट प्रस्तुत की। बैठक में डॉ सुजीत कुमार यादव, डॉ पीके यादव, डॉ दाताराम, डॉ एन के शर्मा, डॉ आर के वर्मा सहित विभिन्न विभागों के वैज्ञानिकों ने विश्वविद्यालय के अनुसंधान प्रोजेक्ट्स से अवगत करवाया। खेती की पाठशाला के नाम से कृषि सलाह के क्षेत्र में काम कर रहे अमित तैलंग ने मूंगफली और कपास में आ रहे विभिन्न रोगों से निपटने के लिए किसानों को जानकारी उपलब्ध करवाने की बात कही। डॉ विकास ने धन्यवाद ज्ञापित किया। संचालन डॉ सुशील ने किया।

पत्रिका

अनुसंधान सलाहकार समिति की बैठक आयोजित

मोठ और ग्वार बीकानेर की फसलें हैं, इन पर अनुसंधान की आवश्यकता

बीकानेर @ पत्रिका. स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय की अनुसंधान सलाहकार समिति की बैठक सोमवार को हुई। विश्वविद्यालय के मानव विकास सभागार में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े एसकेएन कृषि विश्वविद्यालय जोबनेर के कुलगुरु डॉ. बलराज सिंह ने कहा कि मोठ और ग्वार बीकानेर क्षेत्र की फसलें हैं। इन पर अनुसंधान की आवश्यकता है। श्रीगंगानगर तथा हनुमानगढ़ में देसी कपास को बढ़ावा दें। मूंगफली में प्रोटीन की मात्रा बढ़ाने, खेजड़ी में बाल फॉर्मेशन की समस्या से निजात के लिए उचित रसायन आदि के संबंध में अनुसंधान हों। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलगुरु डॉ. अरुण कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय के रिसर्च प्रोजेक्ट्स से क्षेत्र के किसान लाभान्वित हुए हैं। पीजी विद्यार्थियों को और एक्स्पोजर मिले, इसके लिए उन्हें फार्मर इनोवेशन प्रोगाम तथा अन्य विश्वविद्यालयों के रिसर्च प्रोजेक्ट्स में शामिल करें। अनुसंधान परिणामों की समेकित रिपोर्ट तैयार की जाए।

किन्नू और गाजर के लिए बने एक्सीलेंस सेंटर

बैठक में प्रगतिशील किसान कुलजीत सिंह ने कहा कि किन्नू और गाजर के लिए एक्सीलेंस सेंटर तथा जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए नए सर्टिफिकेशन लैब स्थापित हों। छतरगढ़ के किसान मघाराम प्रजापत ने भी अपने विचार साझा किए। कृषि विभाग के अधिकारी जयदीप दोगने ने कहा कि खेजड़ी के फूलों में बटन बनने की समस्या गंभीर है। अनार की गुणवत्ता को लेकर भी क्षेत्र का किसान चिंतित हैं। इस पर अनुसंधान कार्यक्रम संचालित किए जाए।

10/06/2025 | Bikaner City | Page : 9
Source : https://epaper.patrika.com/

बाल आरोग्यम शिविर 15 जून से

बीकानेर @ पत्रिका. स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय परिसर में स्थित योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा केंद्र पर स्कूली विद्यार्थियों के लिए ग्रीष्मकालीन अवकाश के मध्य बाल आरोग्यम शिविर 15 से 21 जून तक आयोजित होगा। कक्षा 6 से 12 वी तक अध्ययनरत छात्र - छात्राओं के लिए यह शिविर आयोजित होगा। केंद्र के निदेशक डॉ. देवाराम काकड़ा ने बताया कि इस शिविर में बच्चों को योग, प्राणायाम, ध्यान, स्वस्थ दिनचर्या, कार्य चर्या, आहार चर्या एवं प्राकृतिक चिकित्सा उपचार पद्धति आदि का अभ्यास करवाया जाएगा। इसके साथ ही अंतरराष्ट्रीय योग दिवस प्रोटोकॉल का विशेष अभ्यास करवाया जाएगा। इस शिविर से विद्यार्थी को मानसिक, नैतिक, शारीरिक व बौद्धिक रूप से एक स्वस्थ जीवन जीने का बल मिलेगा। डॉ. विमल नंदीवाल ने बताया कि शिविर में भाग लेने के लिए विद्यार्थियों के लिए 8 जून से पंजीयन शुरू किया जा रहा है। केंद्र के कार्यालय समय सुबह 7 से 11 बजे तक पंजीयन करवाने की सुविधा उपलब्ध रहेगी।

10/06/2025 | Bik
Source : https://e

एसकेआरएयू व इग्नू सेंटर के संयुक्त तत्वावधान में विद्यार्थियों से संवाद

कामयाब कलम रिपोर्टर।

बीकानेर। एसकेआरएयू में सोमवार को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय सेंटर द्वारा विद्यार्थियों के साथ संवाद आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ देवाराम सैनी ने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं में इग्नू के कोर्सेज और पाठ्यक्रम मददगार साबित हो सकते हैं। इन पाठ्यक्रमों से जुडक़र विद्यार्थी अतिरिक्त नोलेज लें। उन्होंने विद्यार्थियों से विभिन्न कोर्सेज से जुडऩे का आह्वान करते हुए कहा कि दूरस्थ शिक्षा से विदेशी भाषा ज्ञान, आधुनिकतम तकनीक, स्किल आधारित पाठ्यक्रमों से जुड़े और अन्य विद्यार्थियों को इसके लिए प्रेरित करें। वित्त नियंत्रक पवन कस्वां ने कहा कि इग्नू जैसे संस्थान शिक्षा के मौलिक अधिकार को हर नागरिक को सुलभ करवाने की श्रृंखला का अहम हिस्सा है। शिक्षा प्राप्त करने की कोई उम्र नहीं होती। विद्यार्थी इग्नू के जरिए दूरस्थ शिक्षा से समानांतर डिग्री लें और शैक्षणिक उन्नयन के लिए इग्नू की सुविधा का लाभ उठाएं। कार्यक्रम में इग्नू जोधपुर सेंटर के मुख्तार अली ने कहा कि इग्नू के माध्यम से देश में उच्च शिक्षा का लोकतंत्रीकरण संभव हो सका है। नियमित कार्मिक, उच्च शिक्षा से वंचित व्यक्ति, सर्विस क्लास कार्मिक तथा समानांतर डिग्री प्राप्त करने इच्छुक विद्यार्थी जो अपनी परिस्थितियों के कारण नियमित उच्च शिक्षा प्राप्त नहीं कर सकते हैं वे इग्नू से जुड़ कर विभिन्न कोर्स कर सकते हैं। इग्नू की कई अवधारणाओ को नई शिक्षा नीति में शामिल किया गया है। इग्नू माइग्रेशन नहीं मांगती। इग्नू द्वारा 350 प्रकार के पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। अतिरिक्त समानांतर डिग्री के लिए विद्यार्थी इग्नू के कोर्स से जुड़ें। विदेशी भाषा, डाइट मैनजमेंट आदि विषयों में कोर्स करें और अपने करियर को नई ऊंचाई दें। राजस्व सृजन निदेशक और विश्वविद्यालय में इग्नू सेंटर प्रभारी डॉ दाताराम ने स्वागत उद्बोधन दिया और विश्वविद्यालय में स्थित इग्नू सेंटर की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 2012 में स्थापित सेंटर में वर्तमान में 12 कोर्स में 275 विद्यार्थी पंजीकृत है। डॉ सुशील ने कार्यक्रम का संचालन व धन्यवाद ज्ञापित किया।

म सूचना

कया जाता है कि मैं अपने पक्षकार भागीरथ पुत्र
08, सतगुरू टेंट हाउस के पास, खतुरिया कॉलोनी,
म सूचना प्रकाशित करवा रहा हूँ कि मेरे पक्षकार के
राकेश एवं उनकी पत्निया मधी देवी उर्फ ममता एंव
से मेरी पक्षकार के कहने में नहीं है, नरेन्द्र कुमार,
या मधी देवी उर्फ ममता एंव सीता देवी उर्फ संगीता
ांति का वातावरण रखते है। मधी देवी उर्फ ममता
में बहने है। जिनकी वजह से मेरे पक्षकार के घर
है। जिसके चलते हुए मेरा पक्षकार अपने दोनों पुत्रों
देवी व सीता उर्फ संगीता को अपनी चल व अचल
हैं एंव मेरा पक्षकार अपने दोनों पुत्रों नरेन्द्र कुमार,
या मधी देवी उर्फ ममता एंव सीता देवी उर्फ संगीता
करता है एंव अगर कोई भी व्यक्ति मेरे पक्षकार के
र्फ राकेश एवं उनकी पत्निया मधी देवी उर्फ ममता
ी तरह का कोई भी संव्यवहार एंव लेन देन करता
ंय की होगी। मेरे पक्षकार की अपने दोनों पुत्रों नरेन्द्र
की पत्निया मधी देवी उर्फ ममता एंव सीता देवी उर्फ
की कोई भी जिम्मेदारी नहीं होगी। यह आम सूचना
है। वक्त पर काम आवे।

संजय रामावत
एडवोकेट, राजस्थान हाईकोर्ट
ऑफिस : सिटी पॉवर हाउस के पास, कुम्हारों
का मोहल्ला कोतवाली के पीछे
मोबाइल नं. - 9414426603

एसकेआरएयू व इग्नू सेंटर के संयुक्त तत्वावधान में विद्यार्थियों के साथ संवाद आयोजित

विभिन्न पाठ्यक्रमों की दी गई जानकारी

बीकानेर, (निसं)। एसकेआरएयू में सोमवार को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय सेंटर द्वारा विद्यार्थियों के साथ संवाद आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ देवाराम सैनी ने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं में इग्नू के कोर्सेज और पाठ्यक्रम मददगार साबित हो सकते हैं। इन पाठ्यक्रमों से जुड़कर विद्यार्थी अतिरिक्त नोलेज लें। उन्होंने विद्यार्थियों से विभिन्न कोर्सेज से जुड़ने का आह्वान करते हुए कहा कि दूरस्थ शिक्षा से विदेशी भाषा ज्ञान, आधुनिकतम तकनीक, स्किल आधारित पाठ्यक्रमों से जुड़े और अन्य विद्यार्थियों को इसके लिए प्रेरित करें। वित्त नियंत्रक पवन कस्वां ने कहा कि इग्नू जैसे संस्थान शिक्षा के मौलिक अधिकार को हर नागरिक को सुलभ करवाने की श्रृंखला का अहम हिस्सा है। शिक्षा प्राप्त करने की कोई उम्र नहीं होती। विद्यार्थी इग्नू के जरिए दूरस्थ शिक्षा से समानांतर डिग्री लें और शैक्षणिक उन्नयन के लिए इग्नू की सुविधा का लाभ उठाएं।

कार्यक्रम में इग्नू जोधपुर सेंटर के मुख्तार अली ने कहा कि इग्नू के माध्यम से देश में उच्च शिक्षा का लोकतंत्रीकरण संभव हो सका है। नियमित कार्मिक, उच्च शिक्षा से वंचित व्यक्ति, सर्विस क्लास कार्मिक तथा समानांतर डिग्री प्राप्त करने इच्छुक विद्यार्थी जो अपनी परिस्थितियों के कारण नियमित उच्च शिक्षा प्राप्त नहीं कर सकते हैं वे इग्नू से जुड़ कर विभिन्न कोर्स कर सकते हैं। इग्नू की कई अवधारणाओ को नई शिक्षा नीति में शामिल किया गया है। इग्नू माइग्रेशन नहीं मांगती। इग्नू द्वारा 350 प्रकार के पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। अतिरिक्त समानांतर डिग्री के लिए विद्यार्थी इग्नू के कोर्स से जुड़ें। विदेशी भाषा, डाइट मैनजमेंट आदि विषयों में कोर्स करें और अपने करियर को नई ऊंचाई दें। भूसदृश्यता एवं राजस्व सृजन निदेशक और विश्वविद्यालय में इग्नू सेंटर प्रभारी डॉ दाताराम ने स्वागत उद्बोधन दिया और विश्वविद्यालय में स्थित इग्नू सेंटर की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 2012 में स्थापित सेंटर में वर्तमान में 12 कोर्स में 275 विद्यार्थी पंजीकृत है। डॉ सुशील ने कार्यक्रम का संचालन व धन्यवाद ज्ञापित किया।

मेरा दिल ये पुकारे आजा 15 जून को

बीकानेर, (निसं)। सुर गंगा म्यूजिकल ग्रुप की ओर से 15 जून को शाम 6 बजे महाराजा नरेंद्र सिंह ऑडिटोरियम में हिंदुस्तानी सिनेमा के पार्श्व गायक संगीतकार हेमन्त कुमार, फिल्म अभिनेता भारत भूषण, संगीतकार बसंत देसाई की जयंती गीतकार असद भोपाली की स्मृति में रंगारंग फिल्मी गीतों का कार्यक्रम मेरा दिल ये पुकारे आजा कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। संस्था के अध्यक्ष एम रफीक कादरी ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एन डी रंगा होंगे। अध्यक्षता एम आर मुगल, डॉ श्याम अग्रवाल करेंगे। विशिष्ट अतिथि मो सदीक चौहान होंगे। कार्यक्रम में ग्रुप के सदस्य गायक कलाकार अपने गीत प्रस्तुत करेंगे। कार्यक्रम का संचालन एम रफीक कादरी करेंगे।

दैनिक भास्कर

बीकानेर ज़िला 10-06-2025

जैतपुर, रामबाग एवं साबनिया में किसानों को उन्नत तकनीक कृषि करने की जानकारी दी

भास्कर न्यूज | लूणकरणसर

विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत सोमवार को लूणकरणसर तहसील के जैतपुर, रामबाग और साबनिया में किसानों को उन्नत तकनीक कृषि अभियान के अंतर्गत एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र लूणकरणसर की ओर से भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के वैज्ञानिकों तथा कृषि विभाग के अधिकारियों की टीम ने भाग लिया और किसानों को खरीफ मौसम की फसलों के लिए उन्नत किस्मों एवं फसल प्रबंधन से जुड़ी नवीनतम कृषि, बागवानी एवं पशुपालन तकनीकों की जानकारी दी गई। साथ ही, विभिन्न सरकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई और किसानों से फीडबैक भी लिया गया।

केवीके लूणकरणसर के प्रभारी डॉ. आरके शिवरान ने मोठ एवं मूंगफली की उन्नत किस्मों की जानकारी साझा की तथा मिट्टी-पानी की जांच के बारे में किसानों को बताया। केंद्र शुष्क बागवानी संस्थान, बीकानेर के वैज्ञानिक डॉ. हनुमान राम डूडी ने शुष्क प्रदेश के लिये बागवानी की उन्नत तकनीक तथा खेजड़ी, काचरी, काकड़िया, ग्वार फली, मतीरा, तोरई, तरककड़ी, बैंगन, पालक एवं लौकी की उन्नत किस्मों के बारे में बताया।

उन्होंने बताया कि कम लागत से अत्यधिक लाभ के लिए इन फसलों की उन्नत किस्मों का उपयोग किया जाना चाहिए। कार्यक्रम में राष्ट्रीय ऊंट अनुसंधान केंद्र, बीकानेर के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. रतन कुमार चौधरी ने गाय, भैंस, बकरी एवं भेड़ की प्रमुख बीमारियों तथा उनके उपचार के बारे में बताया। सहायक कृषि अधिकारी भंवर सिंह, कृषि पर्यवेक्षक बलराम जोरकिया, कुलदीप सुथार, सरपंच मीरा शर्मा, पूर्व सरपंच किशोरचंद आदि ने विचार रखे। तीनों गांवों से लगभग 630 किसानों ने विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लिया।